सेंट्रल जेल में कैदी की संदिग्ध हालात में मौत

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। कैदी के परिजनों ने इस मामले में गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस के अनुसार, जेल प्रशासन ने कैदी की तबीयत खराब होने की सूचना दी थी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई।

मृतक कैदी की पहचान दतिया निवासी 31 वर्षीय नरेंद्र प्रजापति के रूप में हुई है। नरेंद्र हत्या के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद ग्वालियर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। शाम को उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। जेल प्रशासन उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहा था, तभी रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन ग्वालियर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि नरेंद्र पूरी तरह स्वस्थ था और हाल ही में हुई मुलाकात के दौरान उसने किसी बीमारी या परेशानी का जिक्र नहीं किया था। परिजनों ने बताया कि उन्हें पहले जेल से नरेंद्र की तबीयत खराब होने की सूचना मिली, और लगभग दस मिनट बाद दोबारा फोन पर उसकी मृत्यु की जानकारी दी गई।

परिजनों ने यह भी बताया कि नरेंद्र के सिर और हाथ पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मृतक के परिजन चंद्रशेखर प्रजापति ने कहा कि परिवार को मौत के कारणों पर संदेह है और वे सच्चाई जानना चाहते हैं।

विवेचना अधिकारी शिवपाल सिंह ने जानकारी दी कि जेल प्रशासन से मिली सूचना के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा।

थर्ड सब जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप इस बार ग्वालियर में होगी

ग्वालियर 18 जून. मध्यप्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा स्वर्गीय कैलाशनारायण कट्ठल की स्मृति में थर्ड सब जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन इस बार ग्वालियर में होगा। आयोजन की जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय कट्ठल एवम् जीतेन्द्र शर्मा ने बताया कि ग्वालियर में पहली बार हो रही मध्यप्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट सब जूनियर गर्ल्स एंड बायज नेशनल चैंपियनशिप अंडर 17 का आयोजन श्रीराम ग्रुप ऑफ कालेज के खेल मैदान में किया जाएगा। मध्यप्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप में सम्पूर्ण स्थानों से करीब 16 टीम के शामिल होने की संभावना है। इस आयोजन में मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य स्थानों से भी टीमों के आने की संभावना है।

मातृ शक्ति शौर्य यात्रा से दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर गुरुवार को भव्य मातृ शक्ति शौर्य यात्रा निकाली गई। बैजाताल से शुरू हुई यह यात्रा लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर संपन्न हुई, जहां मातृशक्ति ने भारत माता की आरती कर झांसी की रानी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

▶ भारत माता, राम दरबार और लक्ष्मीबाई की झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

यात्रा में बग्घी में सवार भारत माता की जीवंत झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके पीछे हजारों की संख्या में शामिल मातृशक्ति हाथों में भगवा ध्वज लेकर राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ रही थी। देश की रक्षा कौन करेगा, हम करेंगे सब करेंगे, देश की सेवा कौन करेगा, हम करेंगे सब करेंगे, भारत माता की जय जैसे उद्घोषों से पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो उठा।

शौर्य यात्रा में राम दरबार की आकर्षक झांकी, घोड़े पर सवार महारानी लक्ष्मीबाई झांकी तथा राजपूताना वेशभूषा में मातृशक्ति की टुकडियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ आगे बढ़ रहीं महिलाओं ने महारानी लक्ष्मीबाई के साहस, स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति के आदर्श और सांस्कृतिक गौरव को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। यात्रा के माध्यम से महिलाओं को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक जागरण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश भी दिया गया।

स्वच्छता का भी दिया संदेश

मातृशक्ति ने इस अवसर पर नागरिक कर्तव्य के प्रति जागरूकता का परिचय भी दिया। यात्रा के समापन पर मातृशक्ति को ठंडाई वितरित की गई। इसके बाद कार्यक्रम स्थल की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व का संगम बनी यह शौर्य यात्रा शहरवासियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी।

बलिदान दिवस पर विप्रा ने नारी शक्तियों को किया सम्मानित

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर विप्रा महिला मंच द्वारा विशिष्ट प्रतिभाशाली मातृशक्ति सम्मान समारोह का आयोजन मंशापूर्ण हनुमान मंदिर के समीप

▶ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाया कार्यक्रम का आकर्षण, जरूरतमंद महिलाओं की सहायता का लिया संकल्प

पड़ाव स्थित निजी होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष शिवानी चतुर्वेदी, सचिव डॉ. राजरानी शर्मा, निर्मला शर्मा एवं विप्रा संगिनियों द्वारा गणेश पूजन के साथ विधिवत रूप से किया गया। विप्रा प्रमुख डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने कहा कि राष्ट्र, समाज एवं परिवार के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली नारी शक्तियों का सम्मान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। शिवानी चतुर्वेदी ने कहा कि यह आयोजन वीरांगना लक्ष्मीबाई के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। दीप्ति शर्मा ने अपने उद्बोधन में रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंतिम सांस तक संघर्ष करने वाली वीरांगना आज भी सभी के लिए आदर्श और प्रेरणा हैं। इस अवसर पर सुमन शर्मा ने विप्रा संगिनियों को जरूरतमंद एवं संकटग्रस्त महिलाओं की सहायता हेतु शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नृत्य और गीत की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। मायका और मिहिका चौधरी ने नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि प्रियदर्शनी शर्मा ने सुमधुर गीत की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार सुबोध चतुर्वेदी, प्रो. पदमा शर्मा, ममता पाठक, शिखा चतुर्वेदी रेलवे अधिकारी, डॉ. पदमा पाठक होम्योपैथी चिकित्सक, डॉ. अल्का मिश्रा फॉरेंसिक ऑफिसर, डॉ. अंशु बाजपेई गायनेकोलॉजिस्ट, साधना शर्मा सहायक कुलसचिव जीवाजी विश्वविद्यालय, वर्षा त्रिपाठी नागरिक सहकारी बैंक सहित अनेक विशिष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया। संचालन रश्मि त्रिपाठी एवं आभार सचिव डॉ. राजरानी शर्मा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष शैलजा मिश्रा, कोषाध्यक्ष ज्योति शर्मा, मंजू शर्मा, श्रुति उपाध्याय, निधि भार्गव, सपना पाराशर, रानी शर्मा, विभा शुक्ला, मुनमुन शुक्ला, अर्चना शर्मा आदि विप्रा संगिनियां उपस्थित रहीं।

भाकपा यूसीसी के विरोध में

भोपाल, 18 जून. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रदेश सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की पहल का विरोध करते हुए कहा है कि जनता को समान नागरिक संहिता नहीं, बल्कि 'समान आर्थिक संहिता' की आवश्यकता है.

भाकपा के राज्य सचिव शैलेन्द्र शैली ने कहा कि प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण और गरीबी जैसे मुद्दे अधिक गंभीर हैं. उनका आरोप है कि सरकार जनता का ध्यान इन मूलभूत समस्याओं से हटाने के लिए समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठा रही है. उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं, लेकिन नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं. साथ ही पेट्रोलियम पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर करों के कारण महंगाई बढ़ रही है. भाकपा का कहना है कि सरकार को पहले आर्थिक समानता और बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए.

स्त्री अबला नहीं, सबला है ; लक्ष्मीबाई इसका सर्वोत्तम उदाहरण : कृष्णा रावत

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान को केवल याद करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारना भी आवश्यक है। कई महिलाएं कुछ कार्यों को पुरुषों का क्षेत्र मानती हैं, जबकि झांसी की रानी हर महिला के लिए साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व का अद्वितीय उदाहरण हैं। लक्ष्मीबाई ने अपने पुत्र को पीठ पर बांधकर अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध किया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

यह बात कथा वाचक कृष्णा रावत ने लक्ष्मीबाई समाधि के सामने गुरुवार को लक्ष्मीबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महानगर ग्वालियर के तत्वावधान में वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी मंचासीन रहे। इस अवसर पर संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ.मनमोहन वैद्य भी विशेषरूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर स्वयंसेवकों ने झांसी की रानी को प्रणाम किया। मुख्य वक्ता सुश्री रावत ने रानी लक्ष्मीबाई के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्त्री अबला नहीं सबला है। लक्ष्मीबाई इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं। उन्होंने परिवार के साथ समाज और देशहित में काम किया। रानी लक्ष्मीबाई का जीवन जोश, जज्बा और राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण था। वे बचपन से ही घुड़सवारी और तलवारबाजी में निपुण थीं। जब अंग्रेजों ने दामोदर राव को दत्तक पुत्र के रूप में स्वीकार करने से इंकार करते हुए झांसी को अंग्रेजी शासन में मिलाने की घोषणा की, तब उन्होंने दृढ़ता से कहा था, 'मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी।' इसके बाद उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ वीरतापूर्वक संघर्ष किया। कृष्णा रावत ने कहा कि लक्ष्मीबाई केवल पराक्रमी योद्धा ही नहीं, बल्कि कुशल संगठक और दयालु व्यक्तित्व की धनी भी थीं। उनका संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा तथा आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में वीरांगना लक्ष्मीबाई को याद कर ली राष्ट्रीय एकता व अखडंता की शपथ

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस 18 जून पर नगर निगम की ओर से समाधि स्थल पर आयोजित सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रात: 8.00 बजे किया गया।

सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, सभापति श्री मनोज सिंह तोमर, जी डी ए उपाध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता, साडा उपाध्यक्ष श्री हरीश मेवाफरोश, पार्षद श्री सोनू त्रिपाठी , श्री संजीव पोतनीश, जनप्रतिनिधि श्री अजय तिवारी, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त नगर निगम श्री टी प्रतीक राव सहित मातृ शक्ति एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर द्वारा सभी गणमान्य नागरिकों को राष्ट्रीय एकता व अखडंता की शपथ दिलाई गई।

मैसर्स जंयती सुपर कंस्ट्रक्शन प्रा .लि . एवं मैसर्स एनविराड प्रो . प्रा .लि के कर्मचारियों का किया भौतिक सत्यापन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. अमृत योजनातंर्गत सीवर सफाई कार्य करने वाली कंपनियों मैसर्स जंयती सुपर कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. एवं मैसर्स एनविराड प्रो. प्रा.लि के कर्मचारियों का भौतिक सत्यापन आज बाल भवन में कराया गया।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय द्वारा मैसर्स जंयती सुपर कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. एवं मैसर्स एनविराड प्रो. प्रा.लि को नोटिस जारी कर अनुबंध अनुसार कर्मचारियों की पूर्ति कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। जिसके क्रम में आज कंपनियों द्वारा अपने सभी कर्मचारियों को बाल भवन में भेज कर उनका भौतिक सत्यापन कराया गया। भौतिक सत्यापन के दौरान जब सभी कर्मचारियों के आधार कार्ड और उनकी पे स्लिप मांगी गई तो कंपनी के कर्मचारी उपलब्ध नहीं कर सके जिसको लेकर निगम आयुक्त द्वारा कल दिनांक 19 जून 2026 तक उक्त सभी कर्मचारियों के आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए गए की सभी कर्मचारियों के आवश्यक दस्तावेज जमा होने के उपरांत संबंधित क्षेत्र के उपयंत्री द्वारा कर्मचारियों का वेरिफिकेशन किया जाएगा। भौतिक सत्यापन के दौरान बाल भवन में अधीक्षण यंत्री श्री एस एल बाथम, कार्यपालन यंत्री श्री शिशिर श्रीवास्तव, श्री प्रवीण दीक्षित सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि मैसर्स जंयती सुपर कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. एवं मैसर्स एनविराड प्रो. प्रा.लि को अनुबंध अनुसार प्रोजेक्ट मैनेजर, मैकेनिकल इंजीनियर, कैमिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, कुशल श्रमिक, अकुशल श्रमिक एवं सफाई श्रमिक नियुक्त करने थे। जिसकी जानकारी नगर निगम ग्वालियर द्वारा कंपनियों से कई बार मांगी गई, लेकिन कंपनियों द्वारा उक्त जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। जबकि सीवर का कार्य अति महत्वपूर्ण सेवा में आता है लेकिन दोनों कंपनियों द्वारा अनुबंध के अनुसार अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में अनुबंध अनुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के 12 माह के वेतन की गणना कर दोनों कंपनियों पर पृथक-पृथक 77 लाख 90 हजार 400 रूपये के कटोत्रे की कार्यवाही की जाने हेतु अंतिम समय सीमा निर्धारित की गई थी। उक्त समय सीमा में जानकारी प्राप्त न होने पर उक्त राशि कंपनी के देयक में से काटी जाएगी।

राहुल गांधी का जन्मदिन आज विधायक डॉ . सिकरवार के नेतृत्व में मनाया जायेगा

ग्वालियर। 19 जून को 16 ग्वालियर पूर्व से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में वार्ड क्रमांक 60 के सिंधिया नगर में सायं 6 बजे कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राहुल गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बताया कि जन्मदिन कार्यक्रम में 501 बच्चों को श्री राहुल गांधी जी की फोटो वाली टी-शर्टों का वितरण किया जायेगा साथ ही केक काटकर जन्मदिन मनाया जायेगा। जन्मदिन कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो चुकी है, सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम की व्यवस्था संभालेंगे।

पृष्ठ 5 का शेष

देश की बलिवेदी पर अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

बलिदान मेला के संस्थापक अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि ग्वालियर का बलिदान मेला केवल एक मेला भर नहीं है, यह संस्कारों की भागवत और देश पर मर-मिट जाने की प्रेरणा का अनुष्ठान है। उन्होंने कहा ग्वालियर की इसी पावन धरा पर वीरांगना लक्ष्मीबाई ने भारत माता के श्रीचरणों में अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस आयोजन के माध्यम से उन सब शहीदों को जिन्होंने अपने प्राणों की आहूति इस राष्ट्र की रक्षा और निर्माण के लिये दे दी है, उनके प्रति हम सब कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। श्री पवैया ने बलिदान मेला आयोजन में ग्वालियर शहरवासियों की सक्रिय भागीदारी पर भी हर्ष और आभार व्यक्त किया। श्री पवैया ने कहा कि वीरांगना लक्ष्मीबाई ने सरल रास्ता न चुनकर स्वाभिमान व देशभक्ति का रास्ता चुना।बलिदान मेले के मंच पर संत दंदरौआ महाराज व संत श्री अनिरूद्ध जी महाराज, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया, मेला अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा, जीडीए के उपाध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री शैलेन्द्र बरूआ, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया एवं श्री रामबरन गुर्जर व श्री अभय चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे। साथ ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस आयोजन में शामिल हुए। महारानी लक्ष्मीबाई के शहादत दिवस 18 जून की सांध्य बेला में आयोजित हुए बलिदान मेले में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण एवं शहरवासी शामिल हुए।

आरंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बलिदान मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज गणेश वंदना के साथ हुआ। क्रांतिवीर सम्मान समारोह में डॉ. हरिमोहन पुरोहित ने शहीदों का प्रशस्ति वाचन किया।

महानाट्य से बलिदान मेले में उठीं देशभक्ति की हिलोरें, कवि सम्मेलन भी हुआ - देशभक्ति से ओतप्रोत गरिमापूर्ण बलिदान मेला में सजीव घोड़ों व ऊंटों के साथ शहर के वंदे मातरम् ग्रुप द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई पर केन्द्रित महानाट्य की प्रस्तुति दी गई। जिसे दर्शकों द्वारा बेहद सराहा गया।

इस महानाट्य का मंचन लगभग 250 कलाकारों द्वारा किया गया। कलाकारों की भावों से भरी प्रस्तुति ने बलिदान मेले में बड़ी संख्या में मौजूद शहरवासियों के दिलों में देशभक्ति का जज्बा हिलोरे लेने लगा। साथ ही बहुत से लोगों की आँखे नम हो गईं। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा मुगल सम्राट से भारत में व्यापार की अनुमति से शुरू हुए इस महानाट्य में वीर शिवाजी की पादशाही, अंग्रेजों के अत्याचार, अमर शहीद मंगल पाण्डे की शहादत, वीरांगना लक्ष्मीबाई का विवाह एवं उसके बाद झांसी राज्य की बागडोर संभालने से लेकर ग्वालियर में देश की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने का सजीव चित्रण दिखाया गया। खचाखच भरा बलिदान मेला मैदान महानाट्य के मंचन से उठी देश भक्ति की हिलोरों से सराबोर हो गया।

कार्यक्रम के अंत में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें राष्ट्रभक्ति व हास्य व्यंग से ओतप्रोत कविताओं से प्रांगण गुंजायमान हो उठा। देर रात तक सुधीय नागरिक काव्यपाठ का आनंद लेते रहे।

आदिवासी मुद्दों पर राष्ट्रपति करें हस्तक्षेप

भोपाल, 18 जून. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर प्रदेश के आदिवासी समुदायों से जुड़े सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक मुद्दों के समाधान के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है. राष्ट्रपति के मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान भेजे गए इस पत्र में उन्होंने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति के रूप में उनका स्वागत करते हुए आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों और समावेशी विकास सुनिश्चित करने में सहयोग की अपील की है. पत्र में पटवारी ने उल्लेख किया है कि मध्य प्रदेश देश की सर्वाधिक आदिवासी आबादी वाला राज्य है, जहां लगभग 1.53 करोड़ अनुसूचित जनजाति के लोग निवास करते हैं, जो राज्य की कुल आबादी का करीब 21 प्रतिशत हैं. इसके बावजूद कई आदिवासी बहुल जिले विकास के प्रमुख मानकों पर अभी भी पिछड़े हुए हैं. उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में कम साक्षरता दर, विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा की खराब स्थिति, स्कूलों में शिक्षकों की कमी, छात्रावासों की बदहाल व्यवस्था और उच्च शिक्षा तक सीमित पहुंच पर चिंता व्यक्त की.

सीएसई दिल्ली के सदस्यों ने बल्क वेस्ट जेनरेटर के सर्वे के लिए आई ई सी सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. नगर निगम क्षेत्र में म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नए नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गुरुवार को सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट , नई दिल्ली द्वारा सभी ढ्श्वष्ट सदस्यों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल भवन में आयोजित प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नगर निगम क्षेत्र में बल्क वेस्ट जेनरेटर का ऑनलाइन सर्वे एवं पंजीयन सुनिश्चित करना था।

नए नियमों के अनुसार ऐसे संस्थान या परिसर, जो प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक कचरा उत्पन्न करते हैं, जिनका

▶ कचरा प्रबंधन के नए नियमों के तहत बल्क वेस्ट जेनरेटर की पहचान और पंजीयन पर जोर

बिल्ट-अप एरिया 20,000 वर्ग मीटर या उससे अधिक है अथवा जो प्रतिदिन 40,000 लीटर या उससे अधिक पानी का उपयोग करते हैं, उन्हें बल्क वेस्ट जेनरेटर की श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

नगर निगम के अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार सभी ढ्श्वष्ट सदस्यों को यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सर्वे कार्य नगर निगम के संबंधित जोनल हेड की निगरानी में किया जाएगा। पहचान एवं पंजीयन के लिए नगर निगम द्वारा ष्ट्रस्श्व, नई दिल्ली के सहयोग से ऑनलाइन सर्वे कराया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन ष्ट्रस्श्व के सदस्य विजय प्रभाकर ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न एजेंसियों—एम/एस म्यूज , एम/एस डिवाइन तथा दीक्षा फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा संबंधित एजेंसियों के टीम लीडर रविंदर सिंह, अभिषेक पंचाल, दीक्षा एवं आशा ने भी सहभागिता की। एक दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ऑनलाइन सर्वे की प्रक्रिया, डेटा संग्रहण, दस्तावेजीकरण तथा सफल एनरोलमेंट के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

स्व . पातीराम जैन की 26वीं पुण्यतिथि पर 21 को कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 18 जून. वरिष्ठ भाजपा नेता और लोकप्रिय समाजसेवी स्व. पातीराम जैन की रविवार 21 जून को 26वीं पुण्यतिथि पर प्रात : 9.00 बजे जैन छात्रावास, माधव डिस्पेंसरी के समीप, नया बाजार रोड पर श्रद्धांजलि सभा और श्रमवीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित हो रहे श्रमवीर सम्मान समारोह की 26वीं कड़ी में मेहनतकश मजदूरों, कामगारों को सम्मानित किया जाएगा। चूंकि स्व. श्री पातीराम जैन जीवनभर मेहनतकश मजदूरों के हित में कार्यरत रहे, इसलिए उनकी पुण्य स्मृति में हर वर्ष यह श्रमवीर सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है।

मदद संस्था के अध्यक्ष निर्मल जैन एवं सचिव संजय चुघ ने वरिष्ठ भाजपा नेता स्व. पातीराम जैन की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि श्रमवीर सम्मान समारोह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के वास्तविक शिल्पकारों यानी मेहनतकश मजदूरों को उनके अमूल्य योगदान के लिए समग्र समाज की ओर से कृतज्ञता जताना है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से स्व. पातीराम जैन के विचारों, सिद्धांतों और गरीबों व श्रमिकों के प्रति उनके समर्पण को समर्पित रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में शहर के गणमान्य नागरिक, राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग और सामाजिक संगठन शामिल होकर उन्हें अपनी भावांजलि अर्पित करेंगे।

श्रमवीर सम्मान 2026 के लिए मेहनतकशों से प्रविष्टियां आमंत्रित

मदद संस्था ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि यदि उनके आसपास संपर्क में कोई ईमानदार कर्मठ मिस्त्री मज़दूर हो और वे चाहते है कि उसका सार्वजनिक सम्मान हो तो उनका नाम, पता, मोबाइल नंबर और वे क्या कार्य करते है आदि जानकारी लिखित में 19 जून तक चाचा स्टील्स लोहिया बाजार पर या व्हाट्सएप नम्बर 9425117112 पर भेजें।आमन्त्रित आवेदन पर संस्था का निर्णायक मंडल विचार कर नाम तय करेगा। संस्था 21 जून को उनका श्रमवीर सम्मान करेगी।

कर्मचारियों को जारी होगी प्रोत्साहन राशि

भोपाल, 18 जून. भारत सरकार द्वारा शुक्रवार को नई दिल्ली विज्ञान भवन सहित भोपाल के मैनिट में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त रौशन कश्यप ने यह जानकारी एक प्रेस वार्ता में दी.

उन्होंने बताया कि श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आगामी 19 जून को प्रधानमंत्री डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से देश के लाभार्थियों को करीब 2400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे. उन्होंने क्षेत्रीय आयुक्त ने मध्यप्रदेश के परिप्रेक्ष्य में जानकारी देते हुए बताया कि इस देशव्यापी कार्यक्रम के तहत पूरे देश में 200 स्थानों पर क्षेत्रीय कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं. जिनमें मध्यप्रदेश के दो प्रमुख स्थान मैनिट सभागार भोपाल और एचईजी मंडीदीप शामिल हैं. वहीं मैनिट सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास और रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल और भोपाल की महापौर मालती राय उपस्थित रहेंगी.